**मार्गबन्धुस्तोत्रम्**

**अप्पय्यदीक्षितेन्द्रैः विरचितम्**

**शम्भो महादेव देव शिव शम्भो महादेव देवेश शम्भो शम्भो महादेव देव।।**

**फालावनम्रत्किरीटं फालनेत्रार्चिषा दग्धपञ्चेषुकीटम् ।**

**शूलाहतारातिकूटं शुद्धमर्धेन्दुचूडं(म्) भजे मार्गबन्धुम् ।।1।।**

**अङ्गे विराजद्भुजङ्गं अभ्रगङ्गातरङ्गाभिरामोत्तमाङ्गम् ।**

**ओंकारवाटीकुरङ्गं सिद्धसंसेविताङ्घ्रिं भजे मार्गबन्धुम् ।।2।।**

**नित्यम् चिदानन्दरूपं निह्नुताशेषलोकेशवैरिप्रतापम् ।**

**कार्तस्वरागेन्द्रचापं कृत्तिवासं भजे दिव्यसन्मार्गबन्धुम् ।।3।।**

**कन्दर्पदर्पघ्नमीशं कालकण्ठं महेशं महाव्योमकेशम् ।**

**कुन्दाभदन्तं सुरेशं कोटिसूर्यप्रकाशं भजे मार्गबन्धुम् ।।4।।**

**मन्दारभूतेरुदारं मन्थरागेन्द्रसारं महागौर्यदूरम् ।**

 **सिन्दूरदूरप्रचारं सिन्धुराजातिधीरं भजे मार्गबन्धुम् ।।5।।**

**अप्पय्ययज्वेन्द्र गीतं स्तोत्रराजं पठेद्यस्तु भक्त्या प्रयाणे ।**

 **तस्यार्थसिद्धिं प्रदत्ते मार्गमध्येऽभयं चाशुतोषो महेशः ।।6।।**

 **इति श्रीअप्पय्यदीक्षितेन्द्रैः विरचितं मार्गबन्धुस्तोत्रम् सम्पूर्णम् ।**